भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2297
12 फरवरी, 2026 को उत्तर दिये जाने के लिए

शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन की पहुंच

†2297. श्री बिप्लब कुमार देबः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि केवल लगभग 37 प्रतिशत शहरी आबादी के पास ही सार्वजनिक परिवहन की सुविधा है;
(ख) यदि हां, तो मेट्रो परियोजनाओं में बढ़ते निवेश के बावजूद इस तक लोगों की कम पहुंच के क्या कारण हैं; और
(ग) क्या सरकार की टियर-2 और टियर-3 शहरों में बस रैपिड ट्रांजिट और लाइट रेल ट्रांजिट जैसे लागत प्रभावी विकल्पों का विस्तार करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क) और (ख) 'शहरी नियोजन' राज्य का विषय है, अतः संबंधित राज्य सरकारें सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न साधनों के बीच समन्वय सहित शहरी परिवहन अवसंरचना की योजना बनाने, उस पर अमल करने और विकसित करने के लिए उत्तरदायी हैं। मेट्रो रेल नीति, 2017 के अनुसार, केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकार के प्रस्ताव की व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर शहरों या शहरी समूहों में मेट्रो रेल प्रस्तावों के लिए वित्तीय सहायता पर विचार करती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, शहरी निवासियों में से 37% आसानी से सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर पाते हैं। पिछले 11 वर्षों में, परिचालन मेट्रो नेटवर्क वाले शहरों की संख्या 5 से बढ़कर 26 हो गई है और दैनिक यात्रियों की संख्या 28 लाख से बढ़कर 1.15 करोड़ हो गई है। भारत सरकार ने 16 अगस्त 2023 को "पीएम-ईबस सेवा योजना" शुरू की है, जिसका उद्देश्य 2011 की जनगणना के अनुसार 3 लाख से 40 लाख की जनसंख्या वाले शहरों के लिए 20,000 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से शहरी

क्षेत्रों में पीपीपी मॉडल पर 10,000 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें चालू करने और संबंधित अवसंरचना के विकास के माध्यम से बस संचालन को बढ़ावा देना है। मेट्रो प्रणाली और पीएम-ईबस सेवा के तहत ई-बसों में वे सभी सुविधाएं हैं, जो दिव्यांग व्यक्तियों, महिलाओं, बच्चों आदि सहित सभी के लिए उचित पहुंच सुनिश्चित करती हैं।

(ग) मेट्रो, बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस), बसें आदि जैसे सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न साधनों का चयन संबंधित राज्य सरकार द्वारा शहरों की आवश्यकता के अनुसार किया जाता है।

****